



प्यार की शुरुआत या वासना-1

“मेरी मामी मुझे बहुत अच्छी लगती हैं, मैं उन्हें वासना की दृष्टि से देखता हूँ. वे भी महसूस करती थी मेरी कामवासना को ... एक बार मामी हमारे घर पार्टी में आयी तो”

Story By: (ra1)

Posted: Sunday, July 21st, 2019

Categories: [रिश्तों में चुदाई](#)

Online version: [प्यार की शुरुआत या वासना-1](#)

प्यार की शुरुआत या वासना-1

❓ यह कहानी सुनें

सभी पाठकों को राघव का नमस्कार!

यह मेरी पहली कहानी है जो मैं आप लोगों से साझा कर रहा हूँ.

मेरा प्लेसमेंट बी टेक थर्ड ईयर में यहीं गुड़गाँव की एक कंपनी में हो गया था, ये मेरे कॉलेज का पहला मौका था कि थर्ड ईयर में ही किसी का प्लेसमेंट हुआ हो. मुझे तो 1 साल फुल मस्ती का मिल गया था जहाँ टीचर और स्टूडेंट सब से इज़्जत भी मिलती रहेगी।

सभी बहुत खुश थे और इसीलिए रात में एक पार्टी का आयोजन किया हुआ था, घर में खाने की खुशबू उड़ रही थी. सुबह से ही खाना बनाने की तैयारी चल रही थी. मेरा बड़ा भाई राहुल मार्किट से सामान लेने गया हुआ था. पापा, चाचा, फूफा जी और हमारे पड़ोस के अंकल ताश में लगे हुए थे.

माँ, शिल्पा भाभी (राहुल भाई की पत्नी), रजनी बुआ, कोमल आंटी और उनकी बहु मधु खाने की तैयारी में लगे थे और बाहर आंगन में बच्चे खेलने में।

और मैं छत में अपनी एक्सरसाइज कर रहा था।

वैसे बता दूँ कि मेरा घर दो मंजिला है, नीचे 3 बैडरूम हाल रसोई के दो सेट हैं, एक हमारा और एक चाचा जी का।

दूसरे मंजिल पे एक दो बैडरूम हाल किचेन का सेट है जो किराये पे दिया रहता है. पर कुछ समय से वह कोई नहीं रहता. उसको अभी कुछ टाइम किराये पे चढ़ाना भी नहीं है क्योंकि 1 महीने बाद बुआ के छोटे लड़के (अनुज) की शादी है जो यहीं घर से होगी।

मेरी बुआ एक मकान छोड़ कर ही रहती हैं। बुआ के दो बेटे हैं, बड़े भाई रितेश यहीं एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करते हैं. उनकी वाइफ दिव्या एक स्कूल में एडमिन डिपार्टमेंट जॉब करती है। अनुज भाई फूफा जी के साथ उनका बिल्डिंग मटेरियल का काम सँभालते हैं।

मेरा भाई राहुल, पापा के साथ उनका गाड़ियों का शोरूम चलाता है। चाचा का भी एक शोरूम है और उनका लड़का रोहित भी उनके साथ काम करता है।

हमने अपने घर की सबसे ऊपर की छत पर एक छोटा सा रूम बना रखा था, जहाँ मैंने एक तरीके से पूरा कब्ज़ा कर लिया था अपने जिम का सामान रख के। हालाँकि यह कमरा स्टोर के काम के लिए बना था तो थोड़ा बहुत सामान भी यहाँ पड़ा हुआ था जो बहुत ही कम काम में आता था। यहाँ छत में आने की कभी किसी को जरूरत नहीं पड़ती थी, बस कभी कभी टंकी में पानी चेक करने की जरूरत पड़े तो ही कोई आये। तो एक तरीके से यह कमरा मेरा अपना ही था।

वैसे अपने बारे में बता दूँ कि मैं 5'9" का, 21 साल का एक लड़का हूँ. वर्जिश से मेरी बाँडी काफी शेप में है और दौड़ने की आदत की वजह से ज्यादा मोटा भी नहीं लगता।

आते हैं कहानी पर ... तो मैं अपने घर की छत पर व्यायाम खत्म करके घूम ही रहा था कि मेरी नजर एक महिला पर पड़ी जो गेट से घर में प्रवेश कर ही रही थी. मैंने छत से ही उन्हें जोर से आवाज लगा के विश किया और नीचे की ओर भागा।

हमारे घर में सीढ़ियां बाहर से ही बनी हैं, मुझे सीढ़ियों से कूद कूद कर आते देख वो नीचे ही इन्तजार करने लगी और बच्चों को चोकलेट देने लगी.

मैंने पास आते ही उनके पैर छुए तो उन्होंने मेरे पसीने से भरे हुए शरीर को एक नजर देखा और मुझे हल्के से गले लगाया। उनके स्तनों को अपने छाती पे महसूस करते ही मेरे नीचे

तेजी से सुगबुगाहट हो गयी जिसका अहसास उनको भी अपने पेट पे हो गया होगा। हमारा यह सीन उपयुक्तता से 3-4 सेकंड ही ज्यादा चला क्योंकि मेरा डर कभी इससे आगे नहीं बढ़ने देता कि कही उन्हें मेरे इन 'नेक' इरादों का पता न चल पाए. वहीं दूसरी ओर चाहता भी था कि उन्हें पता चल जाये ताकि कुछ आगे बढ़ा जा सके।

जी हाँ दोस्तो ... ये हैं मेरा इकलौता प्यार ... मेरी सरोज मामी, उम्र 38 साल, हाइट 5'4", यहीं गुडगाँव में रहती हैं। मैं इनसे पिछले 3 साल से प्यार करता हूँ, इनको पाना चाहता हूँ. पर कभी भी इन 3 सेकण्ड्स से ज्यादा कुछ पा न सका।

कभी कभी मुझे शक होता था कि वो भी मुझे 'उस' तरीके से पसंद करती हैं 'जिस' तरीके से मैं उन्हें।

इससे पहले कि मैं कुछ कहता मामी ने मेरे सर को पकड़ के नीचे किया और मेरे माथे पे चुम्मी करके मुझे बधाई दी. मैं तो वैसे ही गर्म था तो मैंने भी उनके गालों पे एक गीला सा चुम्बन कर दिया।

उन्होंने मुझे अचम्भे से बड़ी आँखें करके देखा तो मैं बोला- आपको भी तो बधाई बनती है, आखिर आपके भांजे को जाँब मिली है.

मामी थोड़ा हँसती हुई- हाँ वो तो है ... पर तू बड़ा हो गया लगता है.

मैं संकोच से- ऐसा क्यों मामी ?

मामी- तेरा कॉन्फिडेंस बढ़ गया ना इसलिए !

मैं- ओह मुझे लगा कि ...

मामी तिरछी नजर डालते हुए- कि क्या ... आगे तो बोल ?

मेरी तो फट गयी, यह मैं क्या बोल गया था, मैं हड़बड़ाते हुए- कुछ नहीं मामी, वो बस ऐसे ही !

और बात पलटते हुए बोला- मुझे नहाने जाना है, पूरा पसीना पसीना हो रहा हूँ, बाय !

और भागते हुए छत में बने फ्लैट में जाने लगा और मामी वही खड़ी मुझे देखती रही.

बाथरूम में शावर के नीचे मैं सोच में पड़ गया कि क्या सच में मेरा कॉन्फिडेंस बढ़ गया है जो मैंने पहली बार मामी को इस तरीके से किस किया, क्या एक जॉब इतना कॉन्फिडेंस बढ़ा सकती है ?

वैसे कहते हैं ना कि किस आपकी नियत बता देता है और औरतें तो नियत भांपने में नंबर एक होती हैं ।

खैर उस गीले चुम्मे को याद करते ही मेरा लंड अपने पूरे उफान पर आ गया और अब मुझे अपने हाथ का ही सहारा था । मामी को याद करते हुए उनका नाम लेते हुए मैं जोर जोर से मुठ मारने लगा ।

मुझे 1 मिनट भी नहीं लगा कि मेरा बांध टूट गया मेरा पूरा शरीर अकड़ कर के वही फर्श पर धार पे धार छोड़ने लगा ।

दस मिनट बाद में नहा के मैं बाहर निकला तो वहाँ बिस्तर पर मेरे धुले हुए कपड़े रखे हुए थे । मेरा पूरा दिमाग घूम गया, अगर रूम में कोई आया होगा तो उसने मेरी आवाजें भी सुनी होंगी और उनमें मामी का नाम ।

मैं वहीं बिस्तर पर धम्म से बैठ गया ।

तभी राहुल भाई कि नीचे से आवाज आयी, वो मुझे लंच के लिए बुला रहे थे. अब कोई चारा नहीं बचा था, मुझे नीचे जाना पड़ा । नीचे पहुँच के मेरी बिल्कुल भी हिम्मत नहीं हो रही थी आंखें उठाने की ... तो नजरें नीची कर के में चुपचाप डाइनिंग के पास चला गया ।

मम्मी और भाभी खाना परोस रहे थे, बाकी सभी मर्द खाना खाने बैठ गए ।

अंकल- और बताओ राघव, आगे का क्या प्लान है ?

मैं- बस अंकल अब लास्ट ईयर है कॉलेज का ... तो मस्ती करूँगा, जॉब तो है ही !

(मन में- मामी को चोदना है और क्या)

पापा- बेटा, थोड़ा पढ़ाई भी कर लेना. कहीं लटक न जाओ लास्ट ईयर में ही !

राहुल भाई- अरे पापा, टॉप थ्री में तो रहता ही है ये, पास तो हो ही जायेगा वो भी अच्छे परसेंटाइल में ! क्यों राघव ?

मैं- हाँ भाई, वैसे भी अब टीचर्स भी इंटरनल्स में अच्छे मार्क्स ही देंगे. हे हे हे !

अब तक खाना लगा गया और हम शुरू हो गए. ऊपर बाथरूम वाले किस्से को मैं भूल गया था, हम सभी ने खाना खाया तो मम्मी लोगों ने भी अपनी प्लेट्स लगा ली ।

तभी मामी बोली- अब इस राघव की भी शादी करा दो.

मैंने बड़ी आँखों से उन्हें देखा क्योंकि किसी ने भी उनकी बातों का हल्का सा भी विरोध नहीं किया था.

मैं- अरे मामी, क्या बोल रही हो, मैं तो अभी बच्चा हूँ.

मामी तिरछी स्माइल दे कर- अच्छा जी, पर मुझे तो तुम बड़े लगे. क्यों भाईसाब (पापा) ?

पापा- हाँ, बड़ा तो हो गया है जब भी लग गयी है वैसे भी रिश्ता होते होते 1-2 साल तो लग ही जाते हैं.

यहाँ तो सारा किस्सा ही उल्टा शुरू हो गया था, इसकी उम्मीद तो मैंने दूर दूर तक नहीं की थी, और मैं वैसे ही घूर घूर के मामी को देख रहा था.

मामी- हाँ और क्या ... मेरे भाई की शादी तो बात शुरू करने के 3 साल बाद हुई थी । वैसे अगर तुझे कोई पसंद है तो बोल दे ?

मैं- अरे मामी, क्या बोल रही हो, मुझे कोई भी पसंद नहीं ! (आपको छोड़ के)

मामी- अरे, अगर है भी तो बता दे डर मत !

राहुल भाई मुझे आंख मारते हुए- हाँ छोटे, हम करा देंगे तेरी शादी उससे । वो तेरी एक

दोस्त है ना क्या नाम है उसका ... हाँ प्रिया, पसंद है तो बोल ?
इससे पहले मैं कुछ बोलता ... मामी बोल पड़ी- हाँ भई, वैसे भी कब तक तेरे कपड़े तेरी
मामी को लाके देने पड़ेंगे.

मेरी सिट्टी पिट्टी गुम, 3-4 धड़कनें मिस, दिमाग आउट.

पापा- अरे छोड़ो भी अब, जब उसका मन करेगा वो बता देगा, क्यों भई ?
मैं सुन्न !

मम्मी- हाँ अब परेशां मत करो मेरे बच्चे को, बेटा जब तू बोलेगा तभी बात करेंगे हम प्रिया
से!
सभी ठहाके मार के हंसने लगे इस बात पे, और मैं थोड़ा होश में आते हुए सीधा अंदर रूम
में चला गया.

मैं अपने कमरे में जाकर ऐसी ऑन करके और एक चादर ले के लेट गया और जो भी हुआ
उसके बारे में सोचने लगा ।
शादी की नहीं, मामी के कपड़े लाने वाली बात पे !
तो वो थी जो ऊपर कपड़े लेकर आयी थी. तो पक्का उन्होंने मेरी कामुक आवाजों में अपना
नाम सुन लिया होगा ।
पर जिस हिसाब से वो बात कर रही थी, वो मुझे इंगित कर रही थी कि वो भी मुझ से मजे
लेना चाहती हैं ।

कहते हैं ना कि दिमाग वही सोचता है जो वो सोचना चाहता है. मेरी साथ भी यही तो नहीं
हो रहा था क्या ?
साला ज्यादा लॉजिकल सोचना भी कंप्यूज कर देता है ।

चलो जो भी है ... पर उनके इशारे मुझे भड़का रहे थे आगे बढ़ने को और यह सोच के मुझसे पहले मेरा लंड आगे बढ़ रहा था। थोड़ी देर बाद मम्मी, मामी, आंटी और बुआ अंदर कमरे में आये और बिस्तर पे बैठ गए और मैं आँखें बंद किये लेटा रहा।

टीवी पर मम्मी ने बुआ के छोटे बेटे अनुज की सगाई की सीडी चला दी। इस कमरे में टीवी बेड के सामने की दीवार पर ना हो कर साइड वाली दीवार पर है।

मैंने थोड़ी आँखें खोली तो देखा कि मामी मेरी बगल में लेट गयी थी। मैं बेड के बिल्कुल किनारे लेटा हुआ था, फिर मामी लेटी हुई, मम्मी और बुआ बैठे हुए थे मेरी तरफ पीठ करके! और आंटी उनके बगल में चेयर लगा के बैठ गयी।

मैं भी आँखें खोल के टीवी की तरफ पलट गया, सबने मुझे उठे देखा। इससे पहले कि वो कुछ बोलें, मैंने भी टीवी देखने में उत्साह सा दिखाया तो सभी फिर से टीवी देखने लगे और सगाई की गप्पें मारने लगे।

कुछ मिनट बाद मामी थोड़ा सा पीछे खिसकी, जैसे ही उनके बदन का स्पर्श मुझे हुआ मुझे उत्तेजना होने लगी।

मैं बोला- मामी, अगर ठण्ड लगे तो चादर ले लेना।

और बिना उनके हाँ बोले अपनी चादर उनके ऊपर भी डाल दी।

अब मैं आगे बढ़ने की पूरी फ़िराक में था, मैंने चादर उन पर डालने के बाद अपना हाथ उनके ऊपर कमर पर ही छोड़ दिया था। कोई विरोध ना होते देख मैं धीरे से थोड़ा आगे बढ़ा और अब मेरा लंड उनकी साड़ी के ऊपर से उनकी गांड पर हल्का सा छूने लगा।

यह महसूस होते ही उन्होंने पलट कर मुझे देखा और बिना किसी भाव के कुछ सेकंड मेरी आँखों में देखने के बाद टीवी की और चेहरा पलटा लिया। अब मैं हवाओं में था, मुझे उनकी

मौन स्वीकृति मिल गई थी ।

मैं अपने कोहनी और हथेली से अपने सर को थामे हुए था जिससे मेरे होंठ बिल्कुल उनके कान के पास थे । मैंने धीरे धीरे लंड को उनकी गांड पर रगड़ना चालू कर दिया । मेरी भारी होती साँसों को साफ़ महसूस कर रही थी और उनकी सांस भी थोड़ा सा तेज होने लगी थी ।

मैंने अपने को पूरा उनसे चिपका दिया और अपना हाथ उनके पेट पर रख कर सहलाने लगा ।

कहानी जारी रहेगी.

ra101112@rediffmail.com

Other stories you may be interested in

मम्मीजी आने वाली हैं-5

स्वाति भाभी अब कुछ देर तो ऐसे ही अपनी चूत से मेरे लण्ड पर प्रेमरस की बारिश सी करती रही फिर धीरे धीरे उसके हाथ पैरो की पकड़ ढीली हो गयी। अपने सारे काम ज्वार को मेरे लण्ड पर उगलने [...]

[Full Story >>>](#)

चाची की चूत और अनचुदी गांड मारी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रंजन देसाई है. मेरी उम्र 27 साल है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ. मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ी हैं. ये मेरी पहली कहानी है जो मैं अन्तर्वासना पर लिख रहा हूँ. [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी चूत को बड़े लंड का तलब

मैं सपना जैन, फिर एक बार एक नई दास्तान लेकर हाज़िर हूँ. मेरी पिछली कहानी बड़े लंड का लालच जिन्होंने नहीं पढ़ी है, उन्हें यह नयी कहानी कहां से शुरू हुई, समझ में नहीं आएगी. इसलिये आप पहले मेरी कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी गांड पहली बार कैसे चुदी

नमस्कार मेरे प्यारे अन्तर्वासना के साथियो, मैं लगभग 4 वर्षों से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। मैंने अन्तर्वासना की लगभग सारी कहानियां पढ़ी हैं। मुझे उनमें से सनी शर्मा की कहानियां बहुत पसंद हैं. अब मुझे लगता है कि मुझे [...]

[Full Story >>>](#)

मेरे लण्ड को मेरी साली पसंद आ गयी

नमस्कार मित्रो, मेरा नाम भरत है। मैंने अन्तर्वासना पर लगभग हर एक कहानी पढ़ी है। अन्तर्वासना पर मैं पहली बार कुछ लिख कर भेज रहा हूँ जिसमें मुझे आप सबकी मदद की आवश्यकता है। वैसे तो मैं अच्छे खासे शरीर [...]

[Full Story >>>](#)

